No. of Printed Pages : 6 **IBO-04(S)**

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

00084

December, 2016

IBO-04(S) : EXPORT – IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *Answer both parts A and B.*

PART A

1. Comment on any ***four*** of the following statements : *4×5*

   (a) Litigation is a preferable method of settlement of international trade disputes.

   (b) Commercial Invoice is not a document of contents.

   (c) Advance against export incentives are not given at the pre-shipment stage.

   (d) Credit risk is less in export transactions.

   (e) Constructive total loss is a physical loss.

PART B

Attempt any ***four*** *of the following questions :*

2. What are the commercial documents required under CIF contract ? Discuss the significance of Commercial Invoice, Bill of Lading and Airway Bill. *4+16*

3. Do you think that Electronic Data Interchange (EDI) has an important role in import/export business ? Discuss and explain the steps involved in the development of EDI plan. *5+15*

4. What do you mean by Letter of Credit ? Discuss various kinds of letters of credit with suitable examples. *4+16*

5. (a) Describe the basic principles of operation of ECGC.

(b) Explain the procedure for making a claim with ECGC along with the documentation formalities. *10+10*

6. What are the objectives of customs control ? Discuss the procedure of customs clearance of export cargo by sea along with the documentation formalities. *5+15*

7. Write short notes on any ***two*** of the following : *10+10*

(a) Role of Export-Import Bank of India

(b) Stages of Export Cargo Shipment

(c) Duty Drawback Scheme

(d) Export Promotion Council

आई.बी.ओ.-04(S)

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

आई.बी.ओ.-04(S) : निर्यात – आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*
कुल का : 70%

नोट : *खण्ड क तथा ख दोनों का उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** कथनों की समालोचना कीजिए : *4×5*

(क) मुक़दमेबाजी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी विवादों को निपटाने के लिए अधिक चयन की जाने वाली विधि है ।

(ख) व्यापारिक बीजक एक पूर्ण विवरण वाला प्रलेख नहीं है ।

(ग) निर्यात प्रोत्साहनों पर अग्रिम पोत-लदान पूर्व स्थिति में नहीं दिया जाता है ।

(घ) निर्यात लेनदेन में ऋण जोखिम कम होती है ।

(ङ) प्रलक्षित कुल हानि भौतिक हानि है ।

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :*

2. CIF अनुबंध के अंतर्गत भेजे गए माल की स्थिति में कौन-से व्यापारिक प्रलेखों की आवश्यकता है ? व्यापारिक बीजक, जहाज़ी बिल्टी और हवाई बिल्टी के महत्त्व की विवेचना कीजिए । *4+16*

3. क्या आप समझते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज (EDI) की आयात/निर्यात व्यवसाय में महत्त्वपूर्ण भूमिका है ? ई.डी.आई. योजना विकसित करने में सम्मिलित चरणों की व्याख्या कीजिए और इस पर चर्चा कीजिए । *5+15*

4. साख पत्र से आप क्या समझते हैं ? साख पत्र के विभिन्न प्रकारों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए । *4+16*

5. (अ) ई.सी.जी.सी. के संचालन के आधारभूत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।

(ब) ई.सी.जी.सी. से दावा पेश करने की कार्यविधि की प्रलेखीकरण औपचारिकताओं के साथ व्याख्या कीजिए । *10+10*

6. सीमा शुल्क नियंत्रण के क्या उद्देश्य हैं ? समुद्री मार्ग द्वारा निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी की विधि के प्रलेखीकरण का औपचारिकताओं के साथ विवेचन कीजिए ।

5+15

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *10+10*

(क) भारतीय निर्यात-आयात बैंक की भूमिका

(ख) निर्यात पोत-परिवहन के विभिन्न चरण

(ग) शुल्क वापसी योजना

(घ) निर्यात संवर्धन परिषद्